vinetur

यूरोपीय संघ का वाइन निर्यात 6.8% घटकर 15.4 अरब यूरो पर

अमेरिका में बिक्री 15.3% घटी ; कम लागत वाले थोक उत्पादों की तुलना में बोतलबंद और स्पार्कलिंग वाइन में गिरावट अधिक रही

सोमवार, 16 नवंबर 2026



Copa-Cogeca की 13 नवंबर को ब्रुसेल्स में हुई वाइन बैठक में पेश किए गए और Legacoop Agroalimentare द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच यूरोपीय संघ से बाहर के देशों को वाइन निर्यात का मूल्य 6.8% घटकर 15.4 अरब यूरो रह गया। निर्यात की मात्रा भी 3.3% घटकर 27.5 मिलियन हेक्टोलिटर हो गई। इससे ऐसे क्षेत्र पर दबाव के संकेत और बढ़े हैं, जो पहले ही कम फसल, कमजोर मांग और ऊंचे भंडार से जूझ रहा है।

आंकड़े यूरोपीय संघ के वाइन बाजार पर व्यापक दबाव का संकेत देते हैं। इसके कुछ सबसे बड़े गंतव्य देशों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। इस अवधि में अमेरिका को बिक्री का मूल्य 15.3% घटा, जबकि कनाडा को निर्यात 11%, स्विट्जरलैंड को 9.2% और यूनाइटेड किंगडम को 3.9% कम हुआ। दो बाजारों में उलट रुझान रहा : रूस में 17.5% और हांगकांग में 10.9% की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, ये वृद्धि बड़े पारंपरिक बाजारों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त

नहीं थी।

व्यापार आंकड़ों से विदेशों में बिकने वाले उत्पादों के मिश्रण में बदलाव भी सामने आया। थोक वाइन का निर्यात 5% बढ़ा और बैग-इन-बॉक्स की खेपों में 3.4% की वृद्धि हुई। बोतलबंद वाइन का निर्यात 7.5% घटा, जबकि स्पार्कलिंग वाइन में 6.2% की गिरावट आई। यह रुझान बताता है कि अधिक मूल्य वाले पैकेज्ड उत्पादों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जबकि कम लागत वाले प्रारूप अपेक्षाकृत बेहतर टिके रहे।

पेय कंपनियों के लिए, प्रमुख निर्यात बाजारों में गिरावट से दुनिया के सबसे बड़े वाइन निर्यातक क्षेत्र में बाजारों पर निर्भरता, मूल्य निर्धारण और भंडार प्रबंधन पर नए सिरे से विचार करने का दबाव बढ़ सकता है। प्रमुख बाजारों में धीमी मांग के साथ आपूर्ति का संतुलन बनाने को लेकर उत्पादकों को और कठिन फैसले भी लेने पड़ सकते हैं।

निर्यात में गिरावट ऐसे समय आई है जब यूरोपीय संघ में 2026/27 के लिए वाइन और मस्ट का उत्पादन पिछले साल की फसल से 4% कम और पिछले पांच वर्षों के औसत से करीब 8% नीचे रहने का अनुमान है। Copa-Cogeca के आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी अधिकारियों की पुष्टि लंबित रहने तक संशोधन के अधीन हैं। इन पर हुई बैठक में Legacoop Agroalimentare के अध्यक्ष Cristian Maretti और संगठन की वाइन प्रमुख Valentina Sourin शामिल हुए। Legacoop के मुताबिक, प्रतिभागियों ने यूरोपीय संघ की साझा कृषि नीति के भविष्य, क्षेत्रीय बजट, सह-वित्तपोषण नियमों, सहायता उपायों के दायरे और प्राकृतिक रूप से कम-अल्कोहल वाली वाइन पर भी चर्चा की।

इटली, स्पेन और फ्रांस यूरोपीय संघ के प्रमुख उत्पादक बने रहे और कुल उत्पादन में इनका संयुक्त हिस्सा करीब 82% था। हालांकि, कई क्षेत्रों में मौसम की समस्याओं ने एक बार फिर उत्पादन पर असर डाला। संगठनों के अनुसार, सूखे, लू, वसंत में पाले और ओलावृष्टि से संघ के कई हिस्सों में पैदावार घटी। कमजोर खपत, गिरती कीमतों और अब भी ऊंचे भंडार के साथ छोटी फसल आने के कारण बाजार पर दबाव कम नहीं हुआ।

दुनियाभर में वाइन की खपत 221 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 30 से अधिक वर्षों का सबसे निचला स्तर है। ब्रुसेल्स में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक वाइन खपत में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी भी 2000 में लगभग 60% से घटकर अब 48% रह गई है। रेड और रोज़े वाइन के साथ बेसिक वाइन को सबसे अधिक दबाव वाले खंड बताया गया।

इटली के दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बने रहने का अनुमान था, जहां उत्पादन 41.1 मिलियन हेक्टोलिटर रहा। हालांकि, यह आंकड़ा 2025 से 7.6% कम और पांच साल के औसत से करीब 10% नीचे था। सूखे और उच्च तापमान से प्रभावित दक्षिणी क्षेत्रों में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई ; सिसिली और अब्रुत्सो सबसे अधिक दबाव वाले इलाकों में शामिल थे।

स्पेन का उत्पादन 3% बढ़कर 34.5 मिलियन हेक्टोलिटर होने का अनुमान था, हालांकि कम कीमतों से अंगूर के बागों की लाभप्रदता पर दबाव बना रहा। फ्रांस में उत्पादन 33.8 मिलियन हेक्टोलिटर रहने की उम्मीद थी—2025 से 2% कम और पांच साल के औसत से करीब 15% नीचे। देश में बड़े पैमाने पर अंगूर के बाग हटाने का कार्यक्रम भी जारी रहा।

Copa-Cogeca के वाइन कार्यसमूह के अध्यक्ष Luca Rigotti ने कहा कि इस क्षेत्र को नवाचार, स्थिरता और गुणवत्ता में अधिक निवेश की जरूरत है। इसके साथ ही उत्पादों में विविधता बढ़ाने और नए बाजारों तक पहुंच बनाने की भी आवश्यकता है। ब्रुसेल्स में हुई चर्चा में इस बात पर भी ध्यान दिया गया कि उत्पादकों को बाजार प्रबंधन के अधिक प्रभावी साधन कैसे दिए जाएं और तेजी से अस्थिर होती जलवायु परिस्थितियों तथा कमजोर होते कारोबारी रुझानों के अनुरूप ढलने के लिए पर्याप्त सहायता कैसे मिले।